हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
सोमवार, 30 अक्तूबर 2017, बरेली, पांच प्रदेश, 20 संस्करण, नगर
www.livehindustan.com

फालिज मारे तो 4.5 घंटे के भीतर डॉक्टर को दिखाएं

बरेली | प्रमुख संवाददाता

फालिज (स्ट्रोक) के मरीजों के शुरू के 4.5 घंटे काफी अहम होते हैं। 4.5 घंटे के अन्दर यह फालिज का मरीज अस्पताल में आ जाता है तो उसकी धमनी में जमे हुए खून को घोलकर उसके ब्रेन डैमेज को बचाया जा सकता है और उसके सही होने की संभावना भी बनी रहती है। एसआरएमएस के कांफ्रेंस में नोयडा से आये डा. कपिल सिंघल ने बताया कि यह जानकारी कम लोगों को पता है, ऐसे में इस कोशिश करें कि ऐसी स्थिति में मरीज को तत्काल अस्पताल लेकर जाएं।

एसआरएमएस इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस यूपीकॉन और मेडिसिन अपडेट-2017 में आए विशेषज्ञ।

एसआरएमएस इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में चल रहे तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस यूपीकॉन और मेडिसिन अपडेट-2017 का रविवार को समापन हो गया। आखिरी दिन कांफ्रेंस चार सत्रों में हुई। इसमें देश-विदेश से आये हुए विशिष्ट वक्ताओं द्वारा रियूमेटोलाजी, स्टेन्डर्ड केयर, न्यूरोलाजी, संक्रमित रोगों पर अपने-अपने महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया। केजीएमयू, लखनऊ से आये डा. अनुपम वार्षणेय ने गठिया रोग के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि इस रोग का जल्दी निदान कर इसका उपचार शुरू कर देने से जोड़ों का टेड़ापन बच जाता है। लखनऊ से ही आये डा. सुभाष यादव ने आस्टियोपोरोसिस की बीमारी में डैक्ट्रा स्कैन की जरूरत को बताया और इसके इलाज की विभिन्न दवाओं के बारे में विस्तार से बताया। मेरठ मेडिकल कालेज से आयी डा. आभा गुप्ता ने डायबिटीज और प्रेग्नेंसी विषय पर विस्तृत चर्चा की और बताया कि डायबिटीज के मरीजों में प्रेग्नेंसी होने पर इंसुलिन का इस्तेमाल सबसे अच्छी दवाई मानी जाती है जो मां और गर्भ में पल रहे बच्चे दोनों के काम्प्लीकेशन्स को कम करती है। डा. एके चैहान ने गर्भावस्था में दिल के रोगों का इलाज करने में जो सावधानियां बरती जानी चाहिए के बारे में विस्तार से बताया साथ ही बीचयू बनारस से आये डा. विनोद दीक्षित ने गर्भावस्था में पीलिया होने पर इलाज के तरीकों के बारे में बताया। उन्होंने गर्भावस्था में हिपेटाईटिस बी एवं सी होने पर इलाज की प्रक्रिया एवं मानकों के बारे में जानकारी दी। एसआरएमएस-आईएमएस के मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. शरत जौहरी ने वरटाईगो एवं सिर में दर्द के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं केजीएमयू लखनऊ से आये डा0 डी हिमांशु ने एंटीबायोटिक के प्रयोग एवं दुष्प्रभाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

जागरूकता की कमी से हार्ट अटैक से मरते हैं ज्यादा लोग

बरेली | प्रमुख संवाददाता

एसआएमएस मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक डा. एमपी रावल ने बताया कि विश्व में एवं हमारे देश में हार्ट अटैक से मरने वाले लोगों की संख्या सबसे अधिक है। यद्यपि इस मृत्युदर में पिछले कई वर्षों से रिस्क फैक्टर को नियंत्रित कर एवं इस रोग के इलाज के लिए देश के विभिन्न संस्थानों में आईसीसीयू पीसीआई यूनिट के स्थापित होने से इस मृत्युदर में कमी आई है और पिछले 4-5 वर्षों से यह स्थिर हो गई है। इसका मुख्य कारण ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों में इस बीमारी के प्रति जागरूकता की कमी एवं मरीज के अस्पताल तक अधिक समय (90 मिनट) से पहंचने में उसकी मांसपेशियों को पीसीआई द्वारा बचाना संभव नहीं हो पाता है। इस दौरान मेडिसिन विभाग के पीजी छात्रों द्वारा पीजी क्विज का भी आयोजन किया गया तथा प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। कान्फ्रेंस की मुख्य आयोजक सचिव डा. स्मिता गुप्ता, चेयरमैन देव मूर्ति, प्रशासनिक निदेशक आदित्य मूर्ति, प्राचार्य डा. आरसी पुरोहित मौजूद थे।